


# फर्द अहकाम

## नियम (26)

जज अदालत \_\_\_\_\_ मुकाम \_\_\_\_\_  
 जेदरी \_\_\_\_\_ बनाम हरिबिंदन \_\_\_\_\_  
 केसम मुकदमा 212 B.A. 164 सन् 2012

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
15.5.18	<p>5.4.2018 कोल उभयपक्ष हरिबिंदन बनाम डी. आर. शहाब दोगे पर/दीमा कार्य/अवकाश - है। पत्रावली मस्ते नलगा के 18.7.18 का पेश हो</p> <p style="text-align: center;">→ SPO मा की आज्ञा</p> <p>पत्रावली कापालत लोड अदालत न्याय मण्डल 2018 केस सुदूर में प्रस्तुत है। फील तर्की हरिबिंदन। बहल हेतु विवेदन किया जो स्वीकार किया जाए वल सुनी उपपत्रावली का अकलात किया। प्रार्थना व उच्छर्षा संख्या। से उ अहकामतेषार है तथा वलगत होत तड सुकुत कातेषार। आशियात से अन्वर्ष विवेचना से अहकामत को पत्रावली में पाने हेतु तर्कीया पत्र प्रस्तुत किया। हमने पत्रावली का अकलात किया जो गई बहल पर भनन किया। प्रथम दिव्या भागवा तर्की के पत्र में उनी धनता है क्योकि अहकामतेषार को अन्वर्ष विवेचना से पत्रावली किया जाए उपमोग उपमोग के वंचित उनी किया जा करता है। अतः तर्कीया -पत्र वकी त्तर पर खरीज किया जाता है। पत्रावली केवल सुदूर में प्रस्तुत के काम है।</p>	<p>St. Bana  <del>Haribindan</del></p>  <p>सत्यमेव जयते    Web Copy - Not Official</p>

जो अहकामतेषार को पत्रावली में पाने हेतु तर्कीया पत्र प्रस्तुत किया। हमने पत्रावली का अकलात किया जो गई बहल पर भनन किया। प्रथम दिव्या भागवा तर्की के पत्र में उनी धनता है क्योकि अहकामतेषार को अन्वर्ष विवेचना से पत्रावली किया जाए उपमोग उपमोग के वंचित उनी किया जा करता है। अतः तर्कीया -पत्र वकी त्तर पर खरीज किया जाता है। पत्रावली केवल सुदूर में प्रस्तुत के काम है।